

प्रेषक,

अतर सिंह
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून, दिनांक: 15 मार्च, 2013

विषय: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चौण्ड, लम्बगांव, जनपद टिहरी गढ़वाल के भवन निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-571/XXVIII-4-2006-02/2002 दिनांक 31.08.2006 के क्रम में एवं आपके पत्रांक-7प/1/पी0एच0सी0/13/2005/42089 दिनांक 24.12.2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चौण्ड लम्बगांव, जनपद टिहरी गढ़वाल के मुख्य भवन निर्माण के अवशेष कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण किये जाने हेतु गठित प्राक्कलन ₹57.74 लाख में बाउण्ड्रीवाल का कार्य छोड़ते हुए शेष के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि ₹41.37 लाख (सिविल कार्यों हेतु ₹36.97 लाख व अधिप्राप्ति के कार्यों हेतु ₹4.40 लाख) पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2012-13 में सम्पूर्ण धनराशि ₹41.37 लाख (रुपये इक्तालिस लाख सैंतीस हजार मात्र) अवमुक्त करते हुए, निम्न शर्तों के अधीन व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आगणन में अधिप्राप्ति सम्बन्धी ₹4.40 लाख के कार्यों को उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार किया जायेगा।
2. मूल प्राक्कलन में मुख्य भवन से अतिरिक्त अन्य सभी अवशेष कार्यों को चरणबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु वर्तमान दरों पर पुनरीक्षित प्राक्कलन गठित कर उपलब्ध कराया जायेगा।
3. उक्त धनराशि आहरित कर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, नई टिहरी को उपलब्ध करायी जायेगी।
4. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों एवं शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
5. अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय इसी वित्तीय वर्ष में करते हुये वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
6. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश सं0-321/XXVII(1)/2012 दिनांक 19.06.2012 में इंगित निर्देशों का अनुपालन करते हुये किया जायेगा।
7. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

